

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 12315357

Paper Title: Making of Post-Colonial India (c. 1950-1990)

Semester: III

CBCS: Generic Elective (GE)

Time: 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks: 75

पूर्णांक:75

*Instructions for Candidates*

*Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper*

इस प्रश्नपत्र का उत्तर अँग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any four questions in all.

कुल चार प्रश्न कीजिए।

*All questions carry equal marks*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. How did the social, political, and economic vision of the Constituent Assembly influence the framing of the Constitution of India? Elaborate.

संविधान सभा की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि ने भारत के संविधान के निर्माण को कैसे प्रभावित किया? विस्तार से लिखिए।

2. How did the movements for the formation of language-based states influence the reorganization of states in India in the 1950s and 1960s?

1950 और 1960 के दशक में भाषा-आधारित राज्यों के लिए चले आंदोलनों ने भारत में राज्यों के पुनर्गठन को कैसे प्रभावित किया?

3. Discuss the salient features of India's foreign policy based on the principle of non-alignment.

गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित भारत की विदेश नीति की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the role of the first two five-year plans in developing a new economic order for independent India.

स्वतंत्र भारत की नई आर्थिक व्यवस्था के विकास में प्रथम दो पंचवर्षीय योजनाओं की भूमिका की विवेचना कीजिए।

5. Discuss the role of the political parties in the democratic transformation of India in the first three decades of independence. Elaborate **any one** of the following case studies: (a) One-Party Dominant System (b) Left Parties (c) Dravidian Movement.

स्वतंत्रता के पहले तीन दशकों में भारत के लोकतांत्रिक परिवर्तन में राजनीतिक दलों की भूमिका की भूमिका की विवेचना कीजिए। इस सम्बंध में निम्नलिखित केस स्टडीज में से **किसी एक** को विस्तृत करें: (अ) एक प्रमुख दल प्रणाली (ब) वाम दल (स) द्रविड़ आंदोलन।

6. Critically assess the social transformation of contemporary India based on **any one** of the following: a) Ambedkar and the implementation of the Hindu Code Bill b) The Mandal Commission and the issue of caste-based inequality, c) Judicial Activism and Public Interest Litigation.

निम्नलिखित में से किसी एक के आधार पर समकालीन भारत के सामाजिक परिवर्तन का समालोचनात्मक आकलन कीजिए : (अ) अम्बेडकर और हिंदू कोड बिल का कार्यान्वयन, (ब) मंडल आयोग और जाति- आधारित असमानता का मुद्दा, (स) न्यायिक सक्रियता और जनहित याचिका।